बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-813
22/11/2026

पटना में स्थापित होगी महाकवि विद्यापति की आदमकद प्रतिमा :– सम्राट

मुख्य बिंदु :–

- मुख्यमंत्री ने चेतना समिति के 73वें विद्यापति स्मृति पर्व समारोह में कहा– मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और समृद्ध करना सरकार की प्राथमिकता।
- बिहार में पहली से छठी कक्षा तक मैथिली भाषा की पढ़ाई शुरू, मातृभाषा और स्थानीय संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा।
- अगले पांच वर्षों में बिहार में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य, एक करोड़ उद्यमी तैयार करने का संकल्प।

पटना, 22 नवम्बर 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज पटना के मिलर हाई स्कूल परिसर में दो दिवसीय 73वें विद्यापति स्मृतिपर्व समारोह–2026 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला की भाषा, साहित्य, कला और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए पटना में महाकवि विद्यापति जी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही, मधुबनी जिले के बिस्फी स्थित महाकवि विद्यापति जी की जन्मस्थली पर निर्माणाधीन स्मारक अगले छह महीने में बनकर तैयार हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने महाकवि विद्यापति जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि विद्यापति जी केवल मिथिला ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार की सांस्कृतिक चेतना और गौरव के प्रतीक हैं। उनकी साहित्यिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति की भूमि है। यहां की मैथिली, मगही, अंगिका, बज्जिका सहित विभिन्न भाषाएं और बोलियां हमारी सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला की धरती माता सीता और महाकवि विद्यापति जी की विरासत से जुड़ी हुई है। मैथिली भाषा हमारी प्राचीन सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने मैथिली भाषा में भारतीय संविधान के प्रकाशन के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैथिली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान मिलना पूरे मिथिला समाज के लिए गौरव का विषय है। राज्य सरकार ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप सरकारी स्कूलों में पहली से छठी कक्षा तक स्थानीय

भाषा के रूप में मैथिली की पढ़ाई शुरू की है। आने वाले समय में इसका और विस्तार किया जाएगा, ताकि बच्चे अपनी मातृभाषा के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े रहें।

मुख्यमंत्री ने मिथिलांचल के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तर बिहार में बुनियादी सुविधाओं, सिंचाई, उद्योग और हवाई संपर्क के विस्तार पर काम कर रही हैं। उन्होंने कोसी–मेची नदी जोड़ परियोजना के लिए लगभग 11 हजार करोड़ रुपये देने के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार जताया। इस परियोजना से क्षेत्र में बाढ़ की समस्या के समाधान और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला का मखाना आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से मखाना को सुपरफूड के रूप में नई पहचान मिली है। इसकी पैकेजिंग, मार्केटिंग के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बढ़ रही है। इससे मिथिलांचल के किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दरभंगा में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इसके लिए केंद्र सरकार को भूमि उपलब्ध करा दी है। प्रस्तावित हवाई अड्डे में लगभग साढ़े चार किलोमीटर लंबा रनवे विकसित करने की योजना है। इससे उत्तर बिहार का संपर्क देश–दुनिया से और मजबूत होगा तथा व्यापार, पर्यटन एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बिहार को विकसित और समृद्ध राज्य बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में बिहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी समृद्ध बिहार की परिकल्पना को आगे बढ़ाया है। सरकार चाहती है कि बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए मजबूरी में दूसरे राज्यों में पलायन न करना पड़े। इसके लिए राज्य में उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, आईटी क्षेत्र और छोटे एवं मध्यम उद्यमों का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में पांच सीमेंट फैक्ट्रियों की स्थापना की दिशा में काम शुरू हुआ है। मधुबनी, बांका, नवादा, किशनगंज और मुजफ्फरपुर में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बड़े उद्योगों के साथ–साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी प्रोत्साहित कर रही है। सरकार ने बिहार में एक करोड़ उद्यमी तैयार करने का संकल्प लिया है, ताकि स्वरोजगार के अवसर बढ़ें और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था लगभग 10 से 11 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है, लेकिन विकसित राज्यों की बराबरी करने के लिए निवेश और औद्योगीकरण की गति और तेज करनी होगी। अगले पांच वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कम–से–कम 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लक्ष्य को लेकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कलाकारों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कला और संस्कृति के संरक्षण के साथ कलाकारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना की शुरुआत की है।

समारोह में मुख्यमंत्री ने चेतना समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 1954 में स्थापित यह संस्था लगातार विद्यापति स्मृति पर्व का आयोजन कर मिथिला की साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है। उन्होंने समिति से इसी तरह मिथिला समाज के लोगों को जोड़ने और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध विरासत से परिचित कराने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला का सम्मान पूरे बिहार का सम्मान है। महाकवि विद्यापति जी की स्मृतियों का संरक्षण और मैथिली भाषा का संवर्द्धन बिहार की सांस्कृतिक समृद्धि को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने विद्यापति जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

चेतना समिति द्वारा पाग पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न के तौर पर मिथिला पेंटिंग भेंट की गई।

कार्यक्रम में नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, बिहार भाजपा अध्यक्ष सह विधायक श्री संजय सरावगी, पूर्व मंत्री सह विधायक श्री विनोद नारायण झा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, चेतना समिति के अध्यक्ष श्री विवेकानन्द झा, चेतना समिति के सचिव श्री जयदेव मिश्र, चेतना समिति के उपाध्यक्ष श्री उमेश मिश्र सहित साहित्यकार, कलाकार एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

******